समाचार वाणी
खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

मरवाही मे विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर एबीवीपी का ज्ञापन, नियमित पुलिस गश्त और सुदृढ़ यातायात व्यवस्था की उठाई मांग

Awas Kaiwart Published on 11 Jul 2026

[illegible] | [illegible] | [illegible]

मरवाही नगर में विद्यार्थियों की सुरक्षा, नियमित पुलिस गश्त और सुदृढ़ यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को लेकर **अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) मरवाही इकाई** ने पुलिस विभाग को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कहा कि विद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययन करने आने वाले छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा प्रशासन को इस दिशा में प्रभावी और स्थायी कदम उठाने की आवश्यकता है।

एबीवीपी ने अपने ज्ञापन में बताया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मरवाही नगर के आसपास के गांवों एवं दूरस्थ क्षेत्रों से शिक्षा प्राप्त करने के लिए यहां आते हैं। विद्यालय और महाविद्यालय खुलने तथा छुट्टी के समय मुख्य मार्गों, बस स्टैंड, बाजार क्षेत्र और प्रमुख चौक-चौराहों पर अत्यधिक भीड़ और यातायात का दबाव देखने को मिलता है। ऐसे समय में तेज रफ्तार वाहन और अव्यवस्थित ट्रैफिक के कारण दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है।

विद्यार्थियों की सुरक्षा पर जताई चिंता

एबीवीपी मरवाही की नगर मंत्री **महिमा द्विवेदी** ने कहा कि हाल के समय में क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं, छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों जैसी घटनाओं ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई, तो भविष्य में गंभीर घटनाएं सामने आ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि शिक्षण संस्थानों के आसपास नियमित पुलिस गश्त हो, विद्यालयों और महाविद्यालयों के खुलने एवं छुट्टी के समय पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखी जाए, तो अनेक अप्रिय घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

ज्ञापन मे रंखी गई प्रमुख मांगे ˙

एबीवीपी ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि—

- विद्यालय एवं महाविद्यालयों के आसपास नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाए।
- शिक्षण संस्थानों के खुलने और छुट्टी के समय पुलिस बल की विशेष तैनाती की जाए।
- प्रमुख चौक-चौराहों और बाजार क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाए।
- तेज रफ्तार एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए।
- छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए।
- असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हो सके।

छात्रहित सर्वोपरि : एबीवीपी

नगर मंत्री महिमा द्विवेदी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमेशा से छात्रहित और समाजहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाती रही है। संगठन का उद्देश्य किसी प्रकार का विरोध करना नहीं, बल्कि प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, अनुशासित और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है।

उन्होंने विश्वास जताया कि पुलिस प्रशासन इस मांग को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाएगा और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करेगा।

आगे भी जारी रहेगा प्रयास

एबीवीपी ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से विद्यार्थियों की सुरक्षा और हितों से जुड़े मुद्दों को आगे भी मजबूती से उठाता रहेगा।

संगठन का कहना है कि सुरक्षित वातावरण में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव है और प्रत्येक विद्यार्थी को बिना किसी भय के शिक्षा ग्रहण करने तथा अपने भविष्य का निर्माण करने का अधिकार है। इसी उद्देश्य के साथ यह पहल की गई है, ताकि मरवाही आने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Awas Kaiwart, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.